अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य

प्रिय शेयरधारकों,

मुझे आपके समक्ष लगातार चौथे वर्ष बैंक की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अपार हर्ष है. वर्ष के दौरान :

I. भारत सरकार ने, दक्षता मापदंड के आधार पर, आपके बैंक को रु. 407 करोड़ के पूंजी अंत:प्रवाह के लिए चयनित किया.

II. भारतीय जीवन बीमा निगम ने भी बैंक के शेयर पूंजी के अधिमानी शेयर को रु. 64.86 करोड़ से अभिदत्त किया.

III. बैंक ने 10.95% कूपन दर पर अतिरिक्त टीयर 1 (ए.टी.1) बांड को जारी करके रु.1000 करोड़ जुटाए.

इन पूंजी अंतर्प्रवाह से आपका बैंक अपने कारोबार को बढ़ाने में सक्षम हुआ और इस कठिन समय में भी 11% की सुधरी हुई पूंजी पर्याप्तता अनुपात रखा.

बैंक की मजबूत ब्रांड छवि को इकोनामिक टाइम्स आफ इंडिया इक्विटी सर्वे में ''अधिकतम विश्वस्त बैंक-2015'' के रूप में पहचान दी गई जहाँ आपके बैंक ने मजबूत ब्रांड इक्विटी श्रेणी के अंतर्गत समस्त सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 10वाँ स्थान प्राप्त किया. बैंक के हितधारकों के रूप में यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है.

वित्तीय वर्ष 2015-16 हेत बैंक के निष्पादन की अन्य प्रमुख बातें आपके समक्ष रखने के पूर्व, मैं चाहता हूँ कि वैश्विक/भारतीय आर्थिक परिदृश्य और भारतीय बैंकिंग उद्योग की प्रवृत्ति के बारे में कुछ विचार रखूं जो परिचालन वातावरण में उन चुनौतियों और संभावनाओं के बारे में बताता है और वह परिस्थितियां नियत करता है जिसमें आपके बैंक कार्य कर रहा है.

आर्थिक अवलोकन

गत वर्षों में, वैश्विक अर्थव्यवस्था उभर रही है, परन्तु जो संभावना थी उससे धीमी गति से. अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक निधि (आई.एम.एफ.) के नवीनतम पूर्वानुमान के अनुसार 2016 में विश्व की अर्थव्यवस्था 3.2% वृद्धि की ओर अग्रसर है जो कि पिछले वर्ष के 3.1% वृद्धि के मुकाबले बहुत अल्प वृद्धि है. दूसरी तरफ भारतीय अर्थव्यवस्था में वित्तीय वर्ष 2015-16 में 7.6% की वृद्धि हुई, जो इसे उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्था में आगे रखता है.

सरकार की पहल 'मेक इन इंडिया', 'डिजीटल इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया', 'स्टैंडअप इंडिया' और '100 स्मार्ट सिटी' ने देश में निवेश की संभावनाओं को बढ़ाया है. इन पहलों के साथ-साथ राजकोषीय लक्ष्यों हेतु सरकार का संकल्प, सामान्य से अधिक मानसून के अनुमान ने निवेश वातावरण को आशावान बनाया है. इसके अतिरिक्त, ग्रामीण क्षेत्रों में सुधार, ब्याज-दर में कटौती और अनुमानित 7वें वेतन आयोग अवार्ड से घरेलू उङाद्मोग मांग द्वाफद्धने कड्ड क्रंद्मावना है.

बैंकिंग उद्योग की प्रवृत्तियां

वर्ष के दौरान, भारत सरकार ने ''इंद्रधनुष'' आरंभ किया, जो कि सार्वजनिक क्षेत्र बैंकों के सात प्रमुख कार्यक्षेत्र में सुधार के लिए समन्वित रूपरेखा है.

इसके अलावा, भा.रि.बैं. ने विनियामक सुधारों जैसे कि रणनीतिक ऋण पुनर्गठन (एस.डी.आर.) योजना और लचीली ढांचा योजना आरंभ किए है ताकि बड़े उधारकर्ताओं द्वारा सामना किए जा रहे विपत्ति के मुद्दे का हल निकाला जा सके.

भा.रि.बैं. द्वारा कार्यान्वित आस्ति गुणवत्ता समीक्षा (ए.क्यू.आर.), बैंकों के आस्ति संविभाग के सही और पारदर्शी प्रकटन हेतु एक अन्य अग्रणी उपाय है. ए.क्यू.आर. का लक्ष्य है कि मार्च 2017 को बैंक का तुलनपत्र विशुद्ध और पूर्णतया प्रावधानित हो. बैंक के तुलनपत्र को विशुद्ध करने के उपायों के दृष्टिगत, अल्पकाल में बैंक की लाभप्रदता को क्षति पहुंची है. तथापि, लंबी अवधि में, विशुद्ध तुलन-पत्र स्थिर और लाभप्रद आर्थिक वृद्धि को समर्थन प्रदान करने में अच्छी तरह सक्षम होंगे.

बैंक का निष्पादन

वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान आपके बैंक के निष्पादन की प्रमुख बातें निम्नलिखित हैं :

- बैंक का कुल कारोबार पहली बार रु. 2 लाख करोड़ को पार किया और 31 मार्च 2015 के रु.1,96,565 करोड़ के स्तर से बढ़कर 31 मार्च 2016 को रु.2,03,242 करोड़ के एक नई ऊँचाई पर पहुँचा.
- कुल जमाराशियां 31 मार्च 2016 को रु. 1,17,431 करोड़ के स्तर पर पहुंच गई जबकि 31 मार्च 2015 में वह रु. 1,15,936 करोड़ थी.
- बचत बैंक जमाराशियां रु. 25,706 करोड़ से बढ़कर रु. 28,067 करोड़ हुआ जो कि 9.18% वृद्धि दर्शाता है.
- बैंक की अल्प लागत कासा में, कुल जमाराशियों के प्रतिशत के रूप में वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान 156 आधार अंक का सुधार हुआ और यह मार्च 2016 को 29.27% रहा.
- बैंक के कुल अग्रिम 31 मार्च 2016 को रु. 85,811 करोड़ हो गए तथा 6.43% की वृद्धि दर्ज की गई जबकि 31 मार्च 2015 में यह रु. 80,629 करोड़ था.
- इस वर्ष कम साख उठाव में भी बैंक ने अर्थव्यवस्था के अत्यावश्यक क्षेत्रों जैसे कि कृषि और रिटेल को साख प्रदान करने में प्रभावशाली निष्पादन दर्ज किया. प्रत्यक्ष कृषि और रिटेल क्षेत्र में बैंक साख में क्रमश: 37.50% और 10.48% की वृद्धि हुई.
- वित्तीय वर्ष के दौरान प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम 19.90% बढ़कर रु. 34,117 करोड़ होकर 31 मार्च 2016 को समायोजित निवल बैंक साख (ए.एन.बी.सी.) का 40.23% रहा जो कि न्यूनतम 40% के विनियामक से अधिक है.
- इसी प्रकार से, कृषि अग्रिम रु. 15,912 करोड़ होकर समायोजित निवल बैंक साख (ए.एन.बी.सी.) के 18.77% पर रहा तथा विनियामक 18% को पार किया.
- बैंक ने अपने उच्च लागत जमाराशियों को कम किया है जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान जमाराशियों पर प्रदत्त ब्याज रु. 7,989 करोड़ से कम होकर वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान रु. 7,717 करोड़ रहा.
- वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए जमाराशियों की लागत 46 आधार अंक घटकर 7.20% रही.
- आपके बैंक ने वित्तीय वर्ष 2015-16 हेतु परिचालनगत लाभ रु. 925.30 करोड़ और निवल हानि रु. 935.32 करोड़ दर्ज किया.
- निवल हानि के दृष्टिगत, बैंक के निदेशक मंडल ने वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए किसी लाभांश की संस्तुति नहीं की है.

आस्ति गुणवत्ता

- 31 मार्च 2015 के सकल एन.पी.ए. रु. 4,393 करोड़ के मुकाबले 31 मार्च 2016 को सकल एन.पी.ए. रु. 8,560 करोड़ रहा. प्रतिशतता के रूप में यह गत वर्ष के 5.45% के मुकाबले 9.98% हो गया.
- गत वर्ष के निवल एन.पी.ए. रु. 3,014 करोड़ के मुकाबले 31 मार्च 2016 को निवल एन.पी.ए. रु.5,230 करोड़ रहा. प्रतिशतता के रूप में यह पिछले वर्ष 3.82% के मुकाबले 6.35% हो गया.
- एन.पी.ए. खातों में नकदी वसूली वित्तीय वर्ष 2014-15 के रु. 595 करोड़ से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2015-16 में 728 करोड़ हो गई.
- बट्टे खातों में वसूली दोगुनी से अधिक बढ़ी और यह वित्तीय वर्ष 2014-15 के रु. 34 करोड़ के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2015-16 में रु. 73 करोड़ हो गई.

पूंजी पर्याप्तता मानदंड

- बेसल III के अंतर्गत पूंजी की जोखिम (भारित) आस्ति अनुपात (सी.आर.ए.आर.) में सुधार हुआ और यह 9.625% की विनियामक आवश्यकता के समक्ष 31 मार्च 2016 को 11.00% रहा जबकि 31 मार्च 2015 को यह 10.93% था.
- बैंक का टीयर I पूंजी अनुपात 31 मार्च 2015 के 7.67% से बढ़कर 31 मार्च 2016 को, 7.625% की विनियामक आवश्यकता के समक्ष, 8.59% हो गया.

शाखा विस्तार

आपके बैंक ने 107 नई शाखाएं खोल कर देश के विभिन्न स्थानों पर पहुंच बढ़ाई और 31 मार्च 2016 को बैंक की कुल शाखाओं की संख्या 1846 हैं.

मानव संसाधन प्रबंधन

वर्ष के दौरान बैंक ने 226 परिवीक्षाधीन अधिकारी, 150 विशेषज्ञ अधिकारी, 486 लिपिक और 134 अधीनस्थ कर्मचारी भर्ती किए. 31 मार्च 2015 को बैंक की चालू जन शक्ति 13,906 है जिसमें 3684 महिलाएं हैं.

टेक्नोलॉजी के माध्यम से रूपांतरण

आपका बैंक, ग्राहकों को मूल्य आधारित उत्पाद और सेवाएं प्रदान करने के लिए लगातार तकनीकी को अपना रहा है.

ई-स्मार्ट केंद्र की स्थापना इस प्रकार का एक प्रयास है. ई-स्मार्ट केंद्र में, ग्राहक नकद राशि जमा कर सकता है, चेक जमा कर सकता है, नकदी निकाल सकता है, पासबुक प्रिंट कर सकता है, तथा अपने खाते को 24*7 आधार पर इंटरनेट बैंकिंग सुविधा के माध्यम से पहुंच सकता है. 31 मार्च 2016 तक बैंक ने 74 ई स्मार्ट सेवा केंद्र स्थापित किए हैं.

बैंक का वर्ष 2016-17 के दौरान निम्नलिखित तकनीकी आधारित सेवाएं प्रदान करने का प्रस्ताव है :

I. बिक्री केंद्र (पी.ओ.एस.) टर्मिनल

II. अतिरिक्त 1200 ए.टी.एम.

III. अतिरिक्त ई-स्मार्ट केंद्र

IV. डिजीटल वैलेट

V. टैब बैंकिंग

VI. डेबिट कार्ड के माध्यम से आई.आर.सी.टी.सी. भुगतान

VII. पोर्टल के माध्यम से शैक्षणिक संस्थाओं हेतु फीस की वसूली

VIII. डेबिट कार्ड उपयोग हेतु लायेल्टी प्रोग्राम

IX. अगली पीढ़ी डिजीटल शाखा की स्थापना

बैंक द्वारा नई पहल

वर्ष के दौरान आरंभ किए गए कुछ नई योजनाएं/उत्पाद/संवृद्धि हैं :

1. देना अर्न मोर
2. देना स्त्री शक्ति
3. अनिवासी भारतीय जमा - चक्रवृद्धि ब्याज भुगतान
4. देना उपस्कर वित्तीयन योजना
5. देना प्राफेशनल ऋण योजना
6. संशोधित वाहन ऋण योजना
7. सोलर पावर प्रणाली को वित्तीयन हेतु योजना - देना सोलर योजना
8. पूर्व अनुमोदित ऋण सुविधा
9. देना ऑनलाईन लाकर बुकिंग सुविधा
10. इंटरनेट बैंकिंग और मोबाईल बैंकिंग सुविधा हेतु ऑनलाईन पंजीकरण

समावेशित संवृद्धि

आपके बैंक को दृढ़ विश्वास है कि गैर-लाभ प्राप्त और निम्न आय समूह के वृहद वर्ग को वहन करने योग्य लागत पर वित्त प्रदान करना एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है. मुझे आपसे यह साझा करते हुए गर्व और प्रसन्नता है कि आपके बैंक ने इस क्षेत्र में काफी अच्छा निष्पादन किया है.

कुछ प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं :

- 35.67 लाख पी.एम.जे.डी.वाई. खाते खोले गए तथा कुल रु. 570 करोड़ जमा संग्रहण किया.
- आधार पंजीयन
  - 8.64 करोड़ नागरिकों का पंजीयन किया और गैर-ब्याज आय के रूप में रु. 32.26 करोड़ अर्जित किया.
  - बैंक ने प्रधान मंत्री जन धन योजना (पी.एम.जे.डी.वाई.) कैम्प के दौरान अधिकतम आधार पंजीयन हेतु 1ला स्थान प्राप्त किया.
- सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत पंजीयन
  - प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पी.एम.एस.बी.वाई.) - 24.46 लाख पालिसियाँ
  - प्रधान मंत्री जीवन ज्योति योजना (पी.एम.जे.बी.वाई.) - 5.60 लाख पालिसियाँ
  - अटल पेंशन योजना - 0.32 लाख पालिसियाँ.

ऊर्जा संरक्षण

उर्जा संरक्षण एक अन्य महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्राथमिकता है.

प्रधानमंत्री ने ''प्रकाश पथ'' ''प्रकाश हेतु मार्ग'' योजना आरंभ करते हुए पाया कि जबकि ऊर्जा उत्पादन के तुलना में ऊर्जा संरक्षण अधिक किफायती है, ऊर्जा संरक्षण करना अधिक मुश्किल है क्योंकि इसमें कई लोगों के सक्रिय सहभागिता अपेक्षित है.

मुझे आपसे यह साक्षा करते हुए प्रसन्नता है कि आपके बैंक ने ऊर्जा संरक्षण हेतु महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं.

आपके बैंक ने प्रथम चरण में प्रधान कार्यालय भवन में सभी पारंपरिक बिजली बल्बों को बदलकर ऊर्जा प्रभाव युक्त एलईडी बल्ब लगाए हैं और ए.सी. को 5 स्टार ए.सी. से बदले हैं. इससे बिजली उपभोग में 35% से 40% तक कमी होगी.

भावी योजनाएं

- वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए, आपका बैंक प्रमुख रूप से एन.पी.ए. घटाने पर ध्यान केंद्रित केंद्रित करेगा.
- वृद्धि के लिए, बैंक कासा जमाराशियों और कृषि, रिटेल एवं एम.एस.एम.ई. क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित रखना जारी रखेगा.

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य

आभार

वक्तव्य समाप्त करने के पूर्व, मैं भारत सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक, विभिन्न राज्य सरकार, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड, बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण और अन्य सभी हितधारकों को उनके महत्वपूर्ण संरक्षण, मार्गदर्शन, समर्थन और समयोचित सलाह के लिए अपना धन्यवाद व्यक्त करता हूंत था उनके सतत समर्थन एवं सहयोग की अपेक्षा करता हूं.

मैं, वित्तीय वर्ष 2015-16 के चुनौती पूर्ण अवधि में महत्वपूर्ण संरक्षण और सहयोग प्रदान करने हेतु सभी शेयरधारकों, ग्राहकों और शुभचिंतकों को गंभीरता से धन्यवाद प्रकट करता हूँ और आशा करता हूँ कि उनका सतत संरक्षण हमें प्राप्त होता रहेगा.

बैंक का निदेशक मंडल इन परीक्षा की घडियों में सतत दिशानिर्देश प्रदान करता रहा है तथा हम उनके द्वारा प्रदत्त प्रोत्साहन और दिशानिर्देश हेतु उनकी सराहना करते हैं.

मैं नाबार्ड, सिडबी और अन्य वित्तीय संस्थानों, बैंकों और प्रतिनिधियों के प्रतिभी बैंक को उनके द्वारा दिए गए सहयोग और समर्थन के लिए धन्यवाद व्यक्त करता हूं.

मैं अंत में, समस्त स्टाफ सदस्यों द्वारा किए गए अथक और अनवरत प्रयासों हेतु धन्यवाद व्यक्त करता हूं, जिन के सामयिक सहयोग के बिना बैंक द्वारा की गई प्रगति संभव नहीं होती.

मैं आगामी वर्षो में बैंक के त्वरित कारोबार विकास तथा प्रगति में बैंक के हितधारकों से निरंतर सहयोग की आशा रखता हूं.

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से
कृते देना बैंक

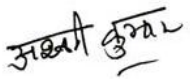

(अश्वनी कुमार)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

Dear Shareholders,

It gives me great pleasure to place before you the Annual Report of your Bank for the fourth year in succession.

During the year:

i. Government of India, selected your Bank for capital infusion of ₹ 407 cr, based on efficiency parameters.

ii. Life Insurance Corporation of India subscribed ₹ 64.86 cr to Preferential Issue of Shares of the Bank.

iii. Bank raised an amount of ₹ 1,000 cr by issue of Additional Tier 1 [AT1] Bonds at a coupon rate of 10.95%.

These capital infusions enabled your Bank to expand its business and post an improved Capital Adequacy Ratio of 11% even in these stressful times.

The Bank's strong brand image was validated in the Economic Times Brand Equity survey of "Most Trusted Brands – 2015" where your Bank was Ranked 10th amongst all Public Sector Banks under the Strong Brand Equity category. As stakeholders of the Bank, it is a proud moment for each one of us.

Before apprising you about other performance highlights of the Bank for the FY 2015-16, I wish to touch upon the global and Indian economic environment and Indian banking industry trends which outline the challenges and opportunities in the operating environment in which your Bank is functioning.

Economic Overview

Over the past years, the global economy is reviving, but at a slower than expected pace. According to the International Monetary Fund's (IMF) latest projections,the world economy is poised to grow at 3.2% in 2016, a moderate increase from last year's 3.1%. The Indian Economy, on the other hand, grew at 7.6% for FY 2015-16, placing it at the forefront of Emerging Market and Developing Economies.

The Government's initiatives like 'Make in India', 'Digital India', "Startup India", "Standup India" and '100 Smart Cities' have added to the increased optimism for investments in the country. These initiatives, coupled with Government's commitment to fiscal targets, prediction of above normal monsoon are expected to brighten the investment climate. Further, the Rural Sector reforms, interest rate cuts and anticipated 7th Pay Commission award are expected to boost the household consumption demand.

Banking Industry Trends

During the year, Government of India launched "Indradhanush", a comprehensive frame work for improving functioning of Public Sector Banks in seven key areas.

Further, RBI introduced Regulatory reforms such as Strategic Debt Restructuring (SDR) Scheme and Flexible Structuring Scheme to address the issues faced by large borrowers under distress.

The Asset Quality Review (AQR) by the RBI is another path breaking measure for correct and transparent disclosure of the Assets portfolio of the banks. AQR is aimed at having clean and fully provisioned bank balance sheets by March 2017. In the short run, the measures taken up for cleaning up the banks' balance sheets have impaired the profitability of banks. However, in the long-run, this will enable banks to support sustainable and profitable economic growth.

Performance of the Bank

The key highlights of your Bank's performance during the FY 2015-16 are:

- Business Mix of the Bank surpassed ₹ 2 lakh cr mark for the first time and reached a new height of ₹ 2,03,242 cr as on 31st March 2016 from ₹ 1,96,565 cr as on 31st March 2015.
- Total Deposits have grown to the level of ₹ 1,17,431 cr as on 31st March 2016 as compared to ₹ 1,15,936 cr as on 31st March 2015.
- Savings Bank Deposits grew by 9.18% from ₹ 25,706 cr to ₹ 28,067 cr.
- CASA as percentage to Total Deposits has improved by 156 bps during FY 2015-16 and stood at 29.27% as of March, 2016.
- Total Advances of the Bank registered a growth of 6.43% and stood at ₹ 85,811 cr as on 31st March 2016 as compared to ₹ 80,629 cr as on 31st March 2015.
- In this year of lean credit off-take, Bank posted impressive performance in credit flow to vital sectors of the economy such as Agriculture and Retail. Bank's credit to Agriculture and Retail sectors grew by 37.50% and 10.48% respectively.
- Priority Sector Advances at ₹ 34,117 cr increased by 19.90% during the Financial Year and as on 31st March, 2016 constituted 40.23% of Adjusted Net Bank Credit (ANBC), surpassing the regulatory minimum of 40%.
- Similarly, Agricultural Advances at ₹ 15,912 cr constituted 18.77% of ANBC surpassing the regulatory minimum of 18%.
- Bank reduced its high cost deposits resulting in reduction of interest paid on Deposits from ₹ 7,989 cr for FY 2014-15 to ₹ 7,717 cr for FY 2015-16.
- Cost of Deposits for the FY 2015-16 reduced by 46 bps and stood at 7.20%.
- Your Bank has posted Operating Profit of ₹ 925.30 cr. and Net Loss of ₹ 935.32 cr for FY 2015-16.
- In view of the net loss, the Board of Directors of the Bank has not recommended any dividend for FY 2015-16.

Asset Quality

- As of 31st March, 2016 Gross NPA stood at ₹ 8,560 cr as against ₹ 4,393 cr during the previous year. In percentage terms it is at 9.98% as compared to 5.45% during the previous year.
- As of 31st March, 2016 Net NPA stood at ₹ 5,230 cr as against ₹ 3,014 cr during the previous year. In percentage terms it is at 6.35% as compared to 3.82% during the previous year.
- Cash recovery in NPA accounts increased from ₹ 595 cr in FY 2014-15 to ₹ 728 cr in FY 2015-16.
- Recovery in Written-Off accounts has more than doubled and stood at ₹ 73 cr for FY 2015-16 as against ₹ 34 cr for FY 2014-15.

Capital Adequacy Norms:

- As on 31st March 2016, the Capital to Risk (Weighted) Asset Ratio (CRAR) under Basel III improved and stood at 11.00% as compared to 10.93% ason 31st March 2015, against the regulatory requirement of 9.625%.
- The Tier I capital ratio of the Bank increased from 7.67 % as on 31st March 2015 to 8.59 % as on 31st March 2016, against the regulatory requirement of 7.625%.

Branch Expansion

Your Bank improved its outreach by opening 107 new branches during the Financial Year. As on 31st March, 2016, Bank is having 1,846 Branches.

Human Resources Development:

During the year,your Bank recruited 226 Probationary Officers, 150 Specialist Officers, 486 clerks and 134 Sub-staff. The current people strength of the Bank is 13,906 of which 3,684 are women.

Transformation through Technology:

Your Bank has been constantly trying to harness technology to provide value added products and services to customers.

CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

The establishment of E-Smart centers is one such initiative. In E-Smart centers, customers can deposit cash, deposit cheques, withdraw cash, get their passbooks printed and access their account through internet banking facility on 24*7 basis. As on 31st March, 2016, Bank has established 74 E-Smart centers.

During the year 2016-17, your Bank proposes to provide the following technology enabled services:

i. Point of Sale (POS) Terminals

ii. Additional 1,200 ATMs

iii. Additional E-Smart centers

iv. Digital Wallet

v. TAB Banking

vi. IRCTC Payment through Debit Card

vii. Collection of Fees for Educational Institutions through Portal

viii. Loyalty Program for usage of Debit Cards

ix. Establishment of Next Generation Digital Branch.

New Initiatives by Bank

Some of the new schemes/products/enhancements introduced during the year are:

i. Dena Earn More

ii. Dena Stree Shakti

iii. NRIs Deposit- Compounded Interest Payment

iv. Dena Equipment Finance Scheme

v. Dena Professional Loan Scheme

vi. Modified Vehicle loan Scheme

vii. Dena Solar - Scheme for finance of Solar powered systems

viii. Pre-Approved Loan Facility

ix. Dena Online Locker Booking Facility

x. Online Registration for Internet Banking and Mobile Banking facility.

Inclusive Growth

Your Bank firmly believes that delivery of financial services at an affordable cost to the vast sections of the disadvantaged and low-income groups is a National Priority. I am happy and proud to share with you that your Bank has done exceedingly well in this area.

Here are some key highlights:

- Opened 35.67 lakh PMJDY accounts wherein total deposit mobilized is ₹570 cr .
- Aadhar Enrolment
  - Enrolled 8.64 cr Citizens and Earned ₹ 32.26 Crores as non-interest income.
  - Secured 1st Rank for Maximum Aadhar Enrolments during Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana [PMJDY] camp
- Enrollments Under Social Security Schemes.
  - Pradhan Mantri Suraksha Bima Yojana (PMSBY) - 24.46 lac policies
  - Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana (PMJJBY) – 5.60 lac policies
  - Atal Pension Yojana – 0.32 lac policies

Energy Conservation

Energy conservation is another important National Priority

Prime Minister, while launching "Prakash Path" – "way to light," scheme observed that while it is much more economical to conserve power, than to produce the same, it is much more difficult to conserve power because it requires the active participation of many people.

I am happy to share with you that your Bank has taken significant step to further the cause of conservation of energy.

Your Bank, in the first phase, in Head Office building, replaced all conventional electrical bulbs with energy efficient LED bulbs and replaced ACs with 5 star ACs. This will reduce energy consumption by 35% to 40%.

It is planned to extend the initiative to other buildings and offices of the Bank.

Future Outlook

For the FY 2016-17, your Bank will primarily focus on reducing NPA.

For growth, Bank will continue to focus on CASA deposits and advances to Agriculture, Retail & MSME sectors.

Acknowledgement

As I conclude, I express my sincere thanks and gratitude to Government of India, Reserve Bank of India, various State Governments, Securities and Exchange Board of India, Insurance Regulatory and Development Authority of India and all other Stake Holders for their valuable patronage, guidance, support and timely advice and seek their continued support and co-operation.

My profound thanks are also due to all the Shareholders, Customers and Well-Wishers for their valuable patronage and support during the challenging period of FY 2015-16 and hope to receive their continued patronage.

The Board of the Bank has been proactively guiding the Bank during these testing times and I want to place on record the appreciation for their encouragement and guidance.

I am also thankful to the NABARD, SIDBI and other Financial Institutions, Banks and Correspondents for their continued support to the Bank.

Last but not least, I wish to place on record, the deep appreciation for untiring and relentless efforts put in by all the staff members of the Bank, without which the progress achieved in these demanding times, would not have been possible.Family members of the staff also need to be acknowledged for their continued support to the Institution.

I look forward for continued cooperation and support from all stakeholders for sustained progress of the Bank in the years to come.

By Order of the Board of Directors
for DENA BANK

(Ashwani Kumar)
Chairman and Managing Director